राह आसान | बरेली के उद्यमी मनीष अग्रवाल ने मुख्यमंत्री योगी से की मुलाकात, उद्यमी ने जिला प्रशासन के साथ चीनी मिल परिसर का दौरा कर देखी संभावना

सरैया में दोबारा गुलजार होगी चीनी मिल, डिस्टिलरी भी खुलेगी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। सरदारनगर की सरैया चीनी मिल और डिस्टिलरी को दोबारा चालू करने की कवायद शुरू हो गई है। बरेली के उद्यमी मनीष अग्रवाल ने चीनी मिल और डिस्टिलरी को संचालित करने को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रजेंटेशन दिया है।

उद्यमी और प्रशासन के अधिकारियों ने बीते रविवार को सरदारनगर पहुंच कर चीनी मिल और डिस्टलरी को चालू करने की संभावनाओं के देखा। उद्यमी किसानों का गन्ना मूल्य से लेकर कर्मचारियों की करीब 120 करोड़ रुपये की देनदारी देने पर सहमत हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह देते उद्यमी मनीष अग्रवाल साथ में एसके अग्रवाल। ● हिन्दुस्तान

उद्यमी मनीष अग्रवाल की बरेली में डिस्टलरी यूनिट है। इसके साथ ही कोका कोला के लिए मध्य भारत में बाटलिंग यूनिट का जिम्मा भी उद्यमी के पास है। प्रदेश सरकार द्वारा सरैया चीनी मिल को दोबारा चालू करने की पेशकश के क्रम में उद्यमी ने बीते 30 नवम्बर को गीडा के स्थापना दिवस के दिन मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुलाकात में किसानों-कर्मचारियों की देनदारी के साथ ही अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसके बाद पहली दिसम्बर को उद्यमी ने प्रशासन के अधिकारियों के साथ सरदारनगर पहुंचकर बंद पड़े चीनी मिल के प्लांट के साथ ही डिस्टिलरी यूनिट का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री के साथ हुई मुलाकात में साथ रहे चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल का कहना है कि सरदार नगर चीनी मिल और खाद कारखाना गोरखपुर की आर्थिक प्रगति की धुरी रहे हैं। खाद कारखाना के बाद चीनी मिल चालू होने से किसानों को बड़ा लाभ होगा।

12 साल से बंद पड़ी है सरैया चीनी मिल

चीनी मिल, प्लांट, यार्ड, कार्यालय करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है। मिल की कॉलोनी में लगभग 200 आवास भी बने हुए हैं। सरैया शुगर मिल अप्रैल, 2012 से बंद है। पीएनबी के ब्याज सहित कुल 65 करोड़ के बकाए में सरैया इंडस्ट्रीज एनसीएलटी कोर्ट में चली गई थी। कोर्ट ने मालिकान को दिवालिया घोषित करके आईआरपी नियुक्त किया था। सरैया डिस्टिलरी 17 मई, 2022 से एनसीएलटी कोर्ट को हैंडओवर हुई थी। भूसी यार्ड, बायोमैस गैस प्लांट, एसटीपी प्लांट, बायोगैस प्लांट, बायो कम्पोस्ट आदि मालिकों के एलपीके ट्रस्ट की भूमि में है। डिस्टिलरी के सप्लायर और कर्मचारियों का ब्याज सहित कुल 100 करोड़ देनदारी है। चीनी मिल और डिस्टिलरी का पीएफ भी लगभग 8 करोड़ बकाया है।

> गोरखपुर में निवेश करने की मंशा से मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है। सरैया चीनी मिल के संचालन को लेकर मुख्यमंत्री के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता के बाद हर संभव मदद का आश्वासन मिला है। किसानों-कर्मचारियों के बकाया के मुद्दे पर परीक्षण किया जा रहा है। हम हर हाल में सरैया चीनी मिल और डिस्टिलरी को दोबारा संचालित करना चाहते हैं।
> – मनीष अग्रवाल, उद्यमी